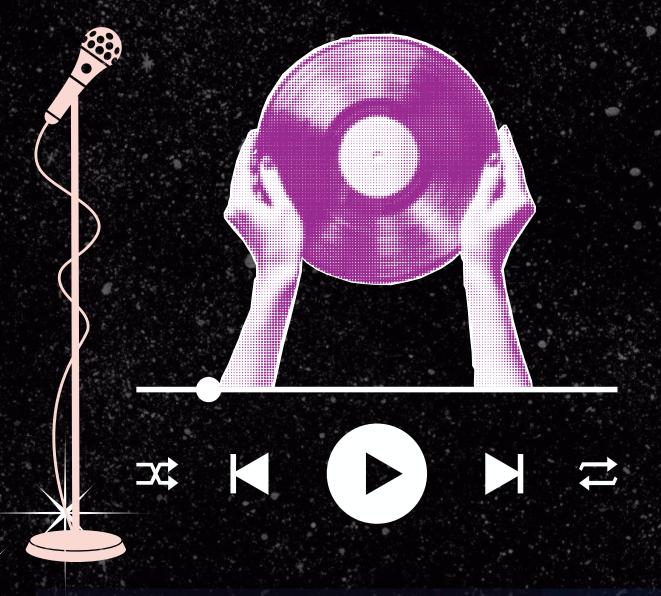
DEENBANDHU CHHOTU RAM UNIVERSITY OF SCIENCE & TECHNOLOGY
MURTHAL, SONEPAT-131039, HARYANA

RHM7HM125

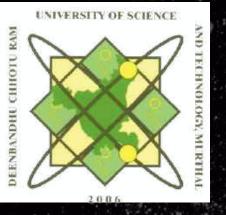








ANNUAL CULTURAL FESTIVAL





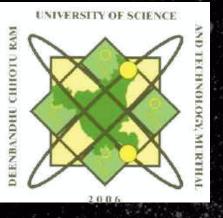
INTRODUCTION

The Annual Cultural Festival – RHYTHM is one of the most anticipated and celebrated events of Deenbandhu Chhotu Ram University of Science and Technology (DCRUST), Murthal. Every year, RHYTHM brings together the dynamic youth from diverse colleges and institutions, transforming the campus into a vibrant hub of art, creativity, and cultural exchange.

The 2025 edition, themed "Sutradhar: Threads of Culture", celebrates the invisible bonds that unite us through stories, traditions, and artistic expression. Each performance — whether in dance, music, drama, or art — becomes a colorful thread woven into a larger tapestry of shared identity and creativity. RHYTHM stands as a bridge between the past and present, blending heritage with innovation and showcasing the boundless imagination of young minds.

Beyond being a stage for expression, RHYTHM is a journey of learning and collaboration. It nurtures leadership, teamwork, discipline, and communication while inspiring respect for diverse cultures and perspectives. Outstanding performers will be selected to represent DCRUST at prestigious platforms like the Inter-University North Zone Youth Festival and the National Youth Festival (AIU), earning recognition and pride for the university.

More than an event, RHYTHM is a celebration of unity, creativity, and cultural pride. It embodies DCRUST's vision of holistic education — where knowledge meets expression, and individuality blends with community spirit. As students come together to create, perform, and inspire, they weave countless stories into one grand narrative — the living fabric of RHYTHM.





VICECHARICELLOR MESSAGE

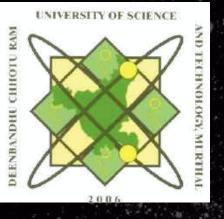


PROF. SHREE PRAKASH SINGH
Hon'ble Vice Chancellor
DCRUST Murthal

It gives me great pleasure to announce our annual cultural fest Rhythm 2025, a celebration of the rich diversity and creativity of our University. This event is a testament to the vibrant cultural landscape, showcasing the talents of our students. It's a unique opportunity for us to come together, to appreciate the diverse traditions, customs and practices that make our University community so rich and vibrant. From music and dance performances to art exhibitions and cultural displays, there is something for everyone to enjoy. I encourage all students, faculty and staff to participate in the cultural fest and make it a success.

Best wishes!

Thank you.





REGISTRAR IMESSAGE



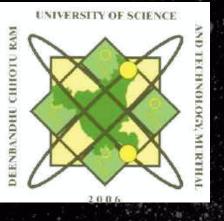
DR. AJAY KUMAR GARG
Registrar
DCRUST Murthal

Our institution has always believed in the holistic development of its students, where academic excellence is complemented by a vibrant extracurricular life. This cultural festival Rhythm 25 stands as a testament to this belief, offering a magnificent platform for students to explore their creativity, showcase their diverse talents, and celebrate our rich cultural heritage.

In an age dominated by technology, such events foster a sense of unity, understanding, and mutual respect among individuals from various backgrounds. It provides an invaluable opportunity for interaction, learning, and personal growth, helping students develop into well-rounded, empathetic, and confident individuals.

I extend my best wishes to the organizing committee and all the participants for a grand success. Let us come together to celebrate diversity, creativity, and the indomitable spirit of our community.

Thank you!





DSW MESSAGE



PROF. SURESH VERMA

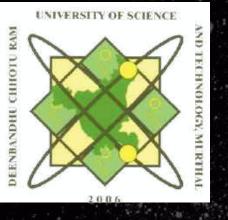
Dean Students Welfare

DCRUST Murthal

Get ready to ignite the spirit of creativity and innovation!

You're invited to Rhythm-2025, DCRUST's most anticipated Annual Cultural Festival, taking place on 14-15. November 2025 at our vibrant campus! Join us for an unforgettable celebration of art, music, dance, drama, and more! Compete in thrilling events, witness breathtaking performances, and win prestigious medals & trophies! Connect with talented individuals from across the region, forge new bonds, and create lifelong memories. Save the dates and be part of this spectacular extravaganza! We can't wait to see you shine at Rhythm-2025!

Best regards





COCRDINATORS

FACULTY COORDINATORS



DR. AARTI DEVESHWAR (Cultural Coordinator)



DR. RAJENDER SINGH MALIK (Cultural Co - Coordinator)

STUDENT COORDINATORS



SUNNY SAINI +91 7015463354



NIKITA SINGH +91 8278907980



MOHIT JANGRA +91 9053403141



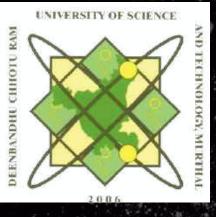
VIVEK GARG +91 8307311924



NEETU SINGH +91 8053325427

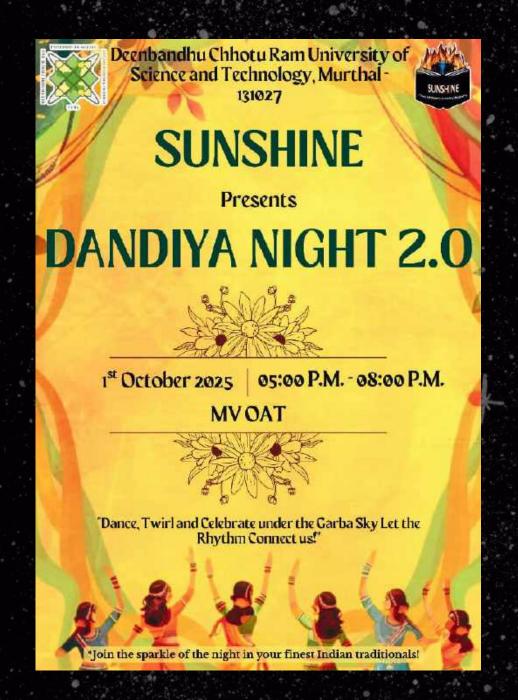


YUVRAJ RAI +91 9369495654





UNIVERSITY EVENTS





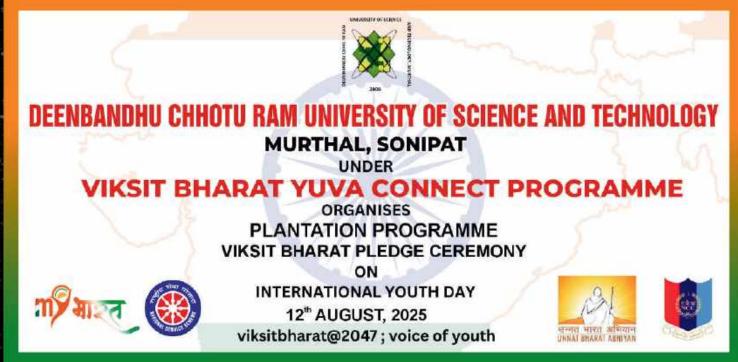


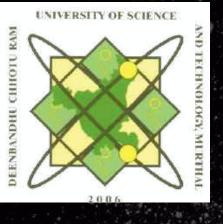














NEWSCOVERAGE

Retro musical night enthralls audience at Sonepat varsity

SONEPAT, OCTOBER 17

The student welfare department of Deenbandhu Chhotu Ram University of Science and Technology (DCRUST), Murthal, organised a retro musical night. The programme was presided over by Vice-Chancellor Shree Prakash Singh, while Dr Manoj Rai was the chief guest at the programme.

VC Singh said the university's mission is not only to

achieve academic excellence, but also to equally encourage the cultural and creative development of students.

During the programme, students from the musical group "Ghunghroo" presented songs from the past in a new style. Their renditions of evergreen songs like "Neele Neele Amber Par" and "Ae Malika Tere Bande Hum" filled the hearts of the audience with a sea of emotions. — TNS

सांस्कृतिक और शैक्षणिक विकास के संतुलन पर बल : कुलपित प्रो. सिंह

मुरथल विश्वविद्यालय में रैट्रो म्यूजिकल नाइट ने बांधा समां

गूंज समिति के छात्र-छात्राओं ने सुरों की मधुर शाम से जीता दर्शकों का दिल

मुख्य अतिथि डॉ. मनोज राय और कुलपति प्रो. प्र काश सिंह ने दी शुभकामनाएं

सोनीपत, 17 अक्टूबर : दीनबंध् छोट् राम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल के कुलपति प्रो. श्री प्रकाश सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त करना नहीं, बल्कि छात्रों के सांस्कृतिक और रचनात्मक विकास को भी समान रूप से प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि कि इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन विद्यार्थियों को अपनी आंतरिक प्रतिभा अभिव्यक्त करने का अवसर देते हैं और उन्हें टीम भावना, अनुशासन एवं सुजनात्मक सोच की दिशा में आगे बढ़ाते हैं।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण विभाग द्वारा रेटो म्यजिकल नाइट का



अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कलगरू प्रो. प्रकाश सिंह ने की, जबकि इस अवसर पर मुख्यातिथि राय हॉस्पिटल कार्यक्रम को शुरूआत माननीय कुलपति प्रो. श्री प्रकाश सिंह एवं निदेशक डॉ. मनोज राय द्वारा दीप हमारी संगीत परपरा से इतने प्रज्वलन के साथ हुई।

कुलगुरु प्रो.सिंह ने कहा कि संगीत को शिक्षा का अभिन्न अंग बताते हुए कहा कि संगीत व्यक्ति के भीतर सामंजस्य, संवेदनशीलता और मानसिक संतलन का विकास करता

आयोजन किया गया था। कार्यक्रम की है. जो समग्र शिक्षा के लिए आवश्यक है। उन्होंने छात्रों की सराहना करते हुए कहा कि आज की यह संगीतमयी शाम हमारे विद्यार्थियों के प्रबंध निदेशक डा.मनोज राव थे। की जीवंत प्रतिभा और सकारात्मक ऊर्जा का प्रमाण है। मुख्य अतिथि डॉ. मनोज राय ने अपने संबोधन में मुख्य अतिथि राय हॉस्पिटल के प्रबंध कहा कि हुआज के वृवाओं को भावनात्मक रूप से जुड़ा देखना

> रेटो म्यॉजकल नाइट ने बधवार की शाम को संगीत और सरों से सराबोर कर दिया। इस संगीतमय कार्यक्रम ने न केवल दर्शकों को पराने

दौर की यादों में ले गया बल्कि छात्रों की प्रतिभा का भी शानदार प्रदर्शन

विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम में संगीत समिति हागुँजह्न के छात्र-छात्राओं ने बीते युग के अमर गीतों को नए अंदाज में पेश किया। ह्यानीले नीले अंबर परह्न और हाहे मालिक तेरे बंदे हमह जैसे सदाबहार गीतों की प्रस्ततियों ने श्रोताओं के दिलों में भावनाओं का सागर भर दिया। परा सभागार संगीत की मधुरता में ड्ब गया। इस अवसर पर डी.एस.डबल्य डॉ. एस.के. वर्मा, डॉ. जानेंद्र सिंह, कल्चरल कोऑडिनेटर डॉ. आरती देवेश्वर, फैकल्टी कोऑडिनेटर डॉ. कविता राठी, डॉ. मनोज पवार, प्रो. सुमन, प्रो. अंजू, डॉ. रीति, डॉ. सुदेश, डॉ. आनंद, डॉ. बिजय तोमर, डॉ. राजेंद्र मिल्क, सरक्षा अधिकारी डॉ. सर्वजीत सिंह सहित अनेक गणमान्य शिक्षक व स्टाफ उपस्थित रहा। इस अवसर पर छात्रों की बहत

मुरथल विवि में दीनबंधु छोटूराम पर स्मारक व्याख्यान, सांस्कृतिक उत्सव 'रिदम-24' शुरू

'सर छोदूराम ने शोषण करने वालों को उखाड़ फेंका'

दीनबंधु छोटूराम विश्वविद्यालय में संकड बात का

हमारे स्वतंत्र विचारों का प्रतीक

दीनबंधु छोट्राम विज्ञान एवं प्रौद्योगि तर अपको जीवन में सफलता प्रो श्रीप्रकाश सिंह ने कहा कि यह बिंद्रम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी हमारी आत्मनिर्भरता, एकता और र डीसीआरयूएसटी). मुख्यल में पर कुलसचिव, डीन छात्र कल्याण, व्यख्यान व वार्षिक सांस्कृतिक

विभिन्न शंकाओं के डीन, चेयरमैन, अ

शुभारंभ करते हरियाणा खेल विश्वविद्यालय, राई के कुलपति अशोक कुमार और कुलपति प्रो. श्री प्रकाश सिंह। हप

अशोक कुमार ने कहा कि जीवन गांव गढ़ी सांपला में हुआ था। आमीण पंजाब की सुरत बदल दी। महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर

कि विद्यार्थी बडा सोचे व हार्ड व मिडिल स्कूल में प्राप्त की। इसके स्मार्ट वर्क करें तो निश्चित तौर पर लिए रोजाना पैदल चलकर जाते

ऋण माफी अधिनियम) को लागु करना था, जिसके तहत वंधक भूमि को बिना किसी अतिरिक्त व्याज के मूल ऋण का भुगतान करके

भिम पनस्थेपना अधिनियम (मक किराया बंधक भूमि अधिनियम,

हमारा एकता, बालदान आर पहचान है तिरंगाः कुलगुरु प्रो.सिंह



सोनीपत, ज्ञान ज्योति दर्पण। दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,मुरथल के कुलगुरु प्रो. श्री प्रकाश सिंह ने कहा कि ये तिरंगा सिर्फ तीन रंग नहीं है, बल्कि हमारी एकता, बलिदान और शौर्य की पहचान है।

उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा को देश से दिलों को जोड़ने की यात्रा है। हर तिरंगा लहराएगें। डीसीआरयूएसटी,मुखल में एनसीसी कैडेट ने स्वतंत्रता सेनानियों एवं शहीदों के सम्मान भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन विश्वविद्यालय में किया, एनसीसी निदेशक लेफ्टिनेंट डा. प्रदीप सिंह के नेतृत्व में विश्वविद्यालय में गुरुवार को निकाली गई तिरंगा यात्रा निकाली। तिरंगा यात्रा को संबोधित करते हा। कलगरू पो सिंह ने कहा कि

स्वतंत्रता संग्राम के दौरान लाखों ांतिकारियों अपने जीवन का बलिदान किया, इसी कारण ही आज हम स्वतंत्र हैं। कुलगुरु प्रो.सिंह ने कहा कि तिरंगा हमारी ताकत भी है और पहचान भी है। तिरंगा हमारी आत्मा है जो हमें हर चुनौती से लड़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि इस तिरंगा यात्रा को सिर्फ अपने लिए ही नहीं, आने वाली पीढ़ियों की प्रेरणा बनाए।

कुलगुरु प्रो. सिंह ने कहा कि तिरंगा देखकर हमारा सिर गर्व से उठता है। तिरंगा ही हमारा वजूद है। उन्होंने कहा कि हमें सदैव ये याद रखना चाहिए कि हम राष्ट्र से हैं, हमारे से राष्ट्र नहीं है। इसलिए हमेशा पहले बात अपने कर्तव्य की करें, उसके बाद अधिकार की करें। इस अवसर पर कुलसचिव दा अन्य गर्ग भी उपस्थित थे।

कंस्ट्रक्शन डिवीजन, शिक्षकगण, रमें परिश्रम करने वालों के लिए कुछ उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा अपने भाखड़ा बांध बनाने का विचार हमें अपना जीवन राष्ट्र को समर्पित नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बताया गया कि पिता होते हैं बच्चों के लिए समाज में सुरक्षा कवच

सजा दो घर को गुलशन सा.मेरे सरकार आए है भजन ने दर्शकों में बनाया आध्यात्मिक माहील

विद्यार्थियों के डास व गानो की शानदार प्रस्तुतियों पर दर्शकहुए झुमने पर मजबूर कुलपति पो. सिंह ने सांस्कृतिक कार्यक्रम देख बढावा विद्यार्थियों का उत्साह

मानीपत् २२ नवपर दिनका होट राम चितान एवं प्रौद्योगिकी

वान्यतिहास्तर मुख्यत के कृत्यति ब्रे.भी प्रकार सिंह ने पंजाबी गानक रेको को समृति चिना देकर सम्मानित कियाः कुलपति आखएसटी के फ्र. सिंह ने ऑफिस का कार्य पुश करने के बाद समागः व विद्याविके क मध्य पहल्ला स्वस्कृतिक कार्यक्रम देखा। कुल्बान प्रे. सित

को आपने मध्य देखका

विद्यार्थी व कार्यक्रम क

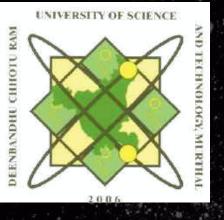
मांस्कृतिक प्रस्तृति देने दूसरे प्रदेश को काम व संस्थित को में सरकार आये में लगे क्रिया पर, एक दिन खाड़ खा में पर समागार लगन ने ये प्रदर्शन किए, नाकि पून काले. जिलाकियों कर पाम में देखने व समझाने कर अन्यमार भी इन्हरून भी लगे कुटिया भी दुनहान भर माहीन पाताओं बन एका फरफ, ने एक प्रदर्शन किया, जिलावें अधिजीत कुलपति हो। या आने रुद्धने के रिनए सकासरायक को एलकर सा मेरे समकार अरथे हैं। याध्याम में हरियाणकों व पंजाबी के पीत हुआहिकी मानी है तात की बिहा ने कहा कि एष्टिकोण का होना अन्यंत नुकबाद नाटक के पाष्यप से संस्कृति देखने को किसी। के लिए निर्दारियों विद्यारियों को अपने दीनान में के लिए पिता संमान के अंदर मुरखा टक्कर में निर्दारियों ने भारतीय दीनबंध छोट् राम दिशानियालय का पता के साथ सफलत के लिए अनुसासन में रह कवाच का कर करते हैं, तब फिट परंपरिक वाद पंजी का प्रधान करके दिल्ली विसर्वानाएका की टीम और माथ स्थानकृतिक का वरित्रम करना चाहिए। परिश्वस नहीं होते ही पत्रचे को किस प्रकार प्रश्न व गीत की पून की शानदार विद्रम फिलकी के बच्चों ने जगन गतिविधियों में धार कर फल अकश्व मिनता है।

व गानों को प्रस्तृति को देखकर हरियाणा देश म के प्रदेश जाते है दुध के साथ उठने कते। हो गए। विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक - से भा नाम हरियागमी गीर पर दर्शक - आवोजन- हुआ, - सिविंग- सेस्सब्दी इसक में किश्चरियों ने माना है घर अधारण में बिश्वने संग्रेत वहीं पानाओं. होमीआरगुपस्टी संपन और एक को कुराशन का,मेरे सरकार आये व्यन विद्य दे मेरे, तेरो काली विज्ञान प्रस्त बुद्धा में वादिया किया का का मिलेगा जीवन में विकास के पंच भी,मेरे सरकार आवे हैं,सजा दे घर डॉस में विद्यापिक की प्रस्तुतियों के सिंह के वेत हामिलने हैं गुरुसे रायह आसरम्ब है। उन्होंने कहा कि जिल्लाचियों में सदेश दिया कि सरसी

आवार्यचिक्रत कर दिया। माना दो पर कि इसे बेटी को बच्छाओं व बेटी के साथ जाने बंदे, जिसमें हमारे को मुलतान बा,पेर सरकार आगे हैं. पड़ाओं के बाब ही साथ बेटी की बिलिय सोबाइटी डीसीअसनुएसटी रांसर की प्रासृति से संगापार का सोतों में भी जाने बहाना चातिए, जून और तमान ने कमान का प्रस्तिन महील अञ्चात्मिक सन एवा। जिसमें वे हवारे एप्ट्र के विकास में किया। लक्ष्य ने अपने प्रदर्शन की भोत होस में हरिकामनी सम्बन्धा में भी और पिर ५० के दशक और कावच होते हैं। विद्यार्थियों द्वारा होता. व सम्बन्धीर पर अध्यापित ऐसा बतारा. 2000 के दशक के बॉरेलीवुट मीती

को परेशानियों का नामना करना पहला प्रस्तुति है। सुनाम सर्वति गातन में बेहतवरीन नृत्य दिस्त कर संबक्ते सारकृतिक प्रभाग में विद्यापियों है। यही एक भाग कुमाद नाटक के विद्यापियों ने एक जार का नवम है आदार्वनीकत कर दिया।

हिंदुस्तानी बाधारन की प्रतिवेधिका समृत पृत्य (पश्चिमी पृत्य) जिसमें





CELEBRITIES AT DCRUST



DAVY



ANITA KUNDU



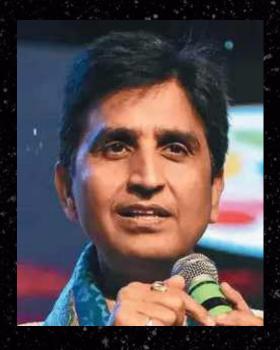
GAGAN HARYANVI



MEGHNA MALIK



HARJEET DEEWANA



DR. KUMAR **VISHWAS**



CAPT. DHARAM **VEER SINGH**



YASHPAL SHARMA





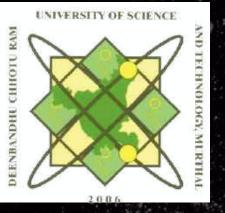
THE LANDERS MD DESIROCK



GAJENDER PHOGAT



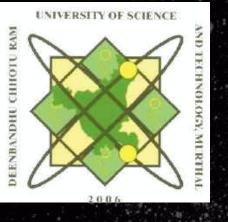
EHSAN **QURESHI**





SOCIALINITIATIVES

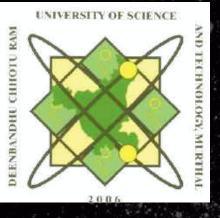






GLIMPSES OF DCRUST







EVENTSATAGLANCE

MUSIC

- Classical Vocal Solo
- Classical Instrumental Solo (Percussion)
- Classical Instrumental Solo (Non-Percussion)
- Light Music Vocal (Ghazal)
- Light Music Vocal (Geet/Bhajan)
- Western Vocal Solo
- Light Music Vocal (Folk)
- Western Instrumental (Solo)
- Qawwali
- Group Song (General)
- Group Song (Western)
- Group Song (Folk)
- Folk Orchestra
- Duet Music (Classical/Light)
- Rap Battle
- Battle of Bands

DANCE

- Classical Dance (Solo)
- General Dance Solo (Folk)
- General Dance Solo (Western)
- Duet Dance
- Group Dance (Western/General)
- Group Dance (Folk/Tribal)

LITERARY EVENTS

- Poetic Recitation
- Quiz
- Elocution
- Debate

FINE ARTS

- On the Spot Painting
- Collage
- Poster Making
- Clay Modeling
- Cartooning
- Rangoli
- Installation/Best Out of Waste
- Spot Photography
- Sanjhi

THEATRE

- One Act Play
- Skit
- Mime
- Mimicry
- Mono Act
- Spoof
- Bollywood in Haryana
- Nukkad Naatika

NON-COMPETITIVE

• FASHION PARADE